PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 118
दि. 27.08.2026, गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

यूपी के किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार ने तैयार किया प्लान, परियोजना को लेकर सीएम योगी ने दिया बड़ा अपडेट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में यूपीडीएएसपी ने गूगल, आईटीसी और एक्वाब्रिज के साथ तीन अहम समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए हैं।

(जीएनएस)।

लखनऊ। पूर्वी उत्तर प्रदेश के 21 और बुंदेलखंड के सात जिलों में कृषि उत्पादकता और किसानों की आय में बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश विविधकृत कृषि सहायता परियोजना (यूपीडीएएसपी) ने गूगल एवं ग्लोबल एंड नेटवर्क फार 'मैनिटी, आइटीसी और एक्वाब्रिज के साथ तीन अहम समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए हैं।

बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में इन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये एमओयू कृषि उत्पादन, किसान की आय और यूपी में कृषि के भविष्य को नई दिशा देने का संकल्प हैं।

उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपीएग्रीज) परियोजना प्रदेश की कृषि को उत्पादन से समृद्धि व भविष्य की अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने की महत्वपूर्ण पहल है। इसका लक्ष्य उत्पादन बढ़ाने के साथ किसान की आय, खेती की जलवायु अनुकूलन क्षमता को मूल्य वर्धन और रूरल एंटरप्रेन्योरशिप के साथ मजबूत करना है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड पर फोकस

मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर हुए कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि चार हजार करोड़ रुपये की विश्व बैंक समर्थित यूपीएग्रीज परियोजना का फोकस पूर्वी उत्तर प्रदेश व बुंदेलखंड है। हम पूर्वी उप्र व बुंदेलखंड के 28 जिलों के 123 विकास खंडों में इस परियोजना को लागू कर रहे हैं।

इसका लक्ष्य छह लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते 10 लाख किसानों, 35 हजार मत्स्य उत्पादक किसानों व तीन लाख महिलाओं को लाभ पहुंचाना है। परियोजना के तहत इस खरीफ सीजन में 1.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को आच्छादित किया गया है। रबी फसल (2026-27) में भी 1.75 लाख हेक्टेयर में गेहूं, मटर, चना, मसूर व सरसों आदि की उत्पादकता बढ़ाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गूगल एवं नेटवर्क फार 'मैनिटी के साथ साझेदारी में ओपन नेटवर्क फार एग्रीकल्चर (ओएनए) विकसित किया जाएगा। इसका कान्सेप्ट यूपीआइ और ओएनडीसी जैसे ओपन डिजिटल नेटवर्क माडल से प्रेरित है। इससे किसानों को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग एप व प्लेटफार्म की आवश्यकता नहीं होगी। एक ही इंटरफेस से मौसम, बाजार-मूल्य, मृदा, कृषि सलाह और विभिन्न एग्रीटेक सेवाओं तक पहुंच होगी। एग्रीटेक स्टार्टअप व कंपनियां भी इसका लाभ ले सकेंगी।

श्रम सिंचाई में 25-30 प्रतिशत की बचत का लक्ष्य

हमारा लक्ष्य लागत को कम करना, कम संसाधन व अधिक आय के साथ वैश्विक बाजार के अनुरूप गुणवत्ता उपलब्ध कराना है। आइटीसी के साथ हुए एमओयू के तहत दो लाख एकड़ में धान और गेहूं के जलवायु-अनुकूल कमोडिटी क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। इसमें शून्य जुताई, डायरेक्ट सीडेड राइस, जलवायु अनुकूल उन्नत बीज, डिसिजन न्यूट्रेंट मैनेजमेंट सम्मिलित होगा।

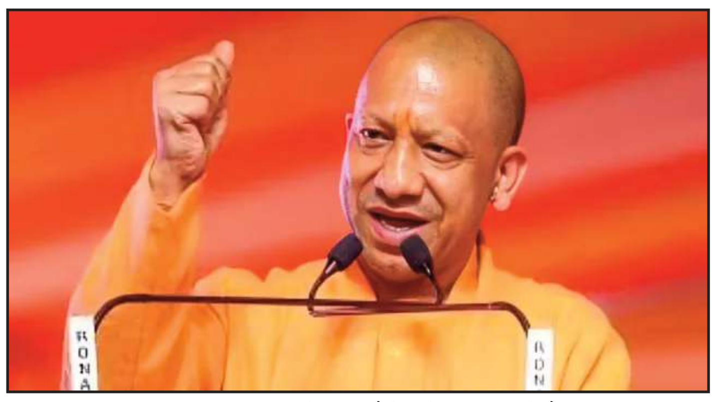

बहराइच में 1500 एकड़ का निर्यात-अनुरूप धान क्लस्टर भी विकसित किया जाएगा। किसान की प्रति एकड़ आय में 20-30 प्रतिशत वृद्धि, यूरिया के उपयोग को 25 प्रतिशत कम करने, श्रम व सिंचाई में 25-30 प्रतिशत की बचत का भी लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्वाब्रिज के साथ एमओयू के तहत मत्स्य किसानों, सहकारी समितियों व उद्यमियों को आधुनिक तकनीक व प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा। इसमें एआइ आधारित एक्वाकल्चर मैनेजमेंट, आटोमैटिक फीडिंग टेक्नोलाजी, आधुनिक प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

साथ ही उन्नाव में आइएमसी इंडस्ट्रियल कारिडोर के तहत 60 एकड़ क्षेत्र में इंटीग्रेटेड एक्वाकल्चर परियोजना विकसित की जा रही है। इसमें हेचरी, फीड मैन्यूफेक्चरिंग, प्रसंस्करण सुविधा, समर्पित प्रशिक्षण केंद्र भी प्रस्तावित है।

यह भी पढ़ें- यूपी के सरकारी और प्राइवेट क्ळक में आज से एडमिशन शुरू, पहले चरण में सिलेक्ट अभ्यर्थी 4 सितंबर तक ले सकेंगे प्रवेश

इस दौरान श्रम व सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, उप्र ट्रांसफार्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव (कृषि) रविंद्र, प्रमुख सचिव पंधारी यादव, विश्व बैंक के अनूप जगवानी, गूगल के सिद्धार्थ प्रकाश, एक्वाब्रिज से मो. ताबिश, नेटवर्क फार 'मैनिटी से राधा किझनट्टम, आइटीसी के सचिन शर्मा, सीआइपी के निदेशक डा. सुधांशु सिंह, सिद्धि नायक एग्रो. लि. के हेमंत गौर आदि मौजूद रहे।

यूपी बना उपद्रव से उत्सव का प्रदेश, अब आधी आबादी को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य : योगी आदित्यनाथ

महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि बेटियों के जन्म से लेकर शिक्षा और रोजगार से लेकर उद्यमिता तक आगे बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है।

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना के शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित किया और अपनी और पिछली सरकारों के कामकाज की रिपोर्ट भी रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में उपद्रव की जगह उत्सव का माहौल बना है और सरकार की योजनाओं के केंद्र में आधी आबादी मां, बहन और बेटियां हैं। पहले प्रदेश में महज 12 प्रतिशत महिलाएं कामकाजी थीं, अब यह आंकड़ा बढ़कर 36 प्रतिशत हो गया है। सरकार का लक्ष्य इसे 50 प्रतिशत तक पहुंचाना है। महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि बेटियों के जन्म से लेकर शिक्षा और रोजगार से लेकर उद्यमिता तक आगे बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है।

पिछली सरकारों पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले महिलाओं की सुरक्षा बड़ी चुनौती थी। बेटियों और बहनों की जुबान पर सुरक्षा को लेकर चिंता रहती थी। 'देख सपाई बिटिया घबराई' का नारा गूंजता था, ऐसे माहौल में महिलाओं के स्वावलंबन की बात करना मुश्किल था। पेंशन और छात्रवृत्ति में बिचौलियों का दखल था, जबकि नकल माफिया, भू-माफिया और हर तरह में माफिया सिंडिकेट प्रदेश की पहचान बन गए थे।

सरकार की योजनाओं का सबसे बड़ा केंद्र आधी आबादी

उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा भी पर्याप्त नहीं थी। भाजपा सरकार आने के बाद उपद्रव की जगह उत्सव का माहौल बना है और महिलाओं को भयमुक्त वातावरण मिला है। सरकार की योजनाओं का सबसे बड़ा केंद्र आधी आबादी हैं। घर-घर शौचालय, पक्के मकान, जल जीवन मिशन, डीबीटी और मुख्यमंत्री सुमंगला योजना जैसी योजनाओं का सीधा लाभ महिलाओं को मिला है। इन योजनाओं ने महिलाओं की जिंदगी आसान करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने का आधार दिया है।

आगामी योजनाओं का भी मुख्यमंत्री ने किया उल्लेख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं और बेटियों के लिए सरकार की आगामी योजनाओं का भी उल्लेख किया। बताया कि अक्टूबर-नवंबर में स्नातक की पढ़ाई कर रही 50 हजार बेटियों को स्कूटी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा प्रदेश में चल रही 32 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती में 20 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए होंगे। कार्यक्रम में योजना के जरिये उन्होंने महिला सम्मान और सुविधा से जुड़े अपने फैसलों को जनता के सामने रखा और आने वाले समय में महिलाओं के लिए और योजनाएं लाने का संकेत भी दिया।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और कुछ महिलाओं को प्रतीकात्मक रूप से योजना के कार्ड भी दिए गए। महिलाओं को उपहार के रूप में मिष्ठान, साड़ी और बैग भी दिए गए। योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाएं आधार कार्ड या वोटर कार्ड दिखाकर रोडवेज की बसों में आजीवन मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। इससे बुजुर्ग महिलाओं को अपने रिश्तेदारों, धार्मिक स्थलों और दूसरे जरूरी कामों के लिए आने-जाने में आर्थिक राहत मिलेगी।

रक्षाबंधन पर तीन दिन पूरे प्रदेश में मुफ्त यात्रा

रक्षाबंधन को देखते हुए सरकार ने सभी महिलाओं को भी राहत दी है। 27 से 29 अगस्त तक रोडवेज की सभी बसों में महिलाएं अपने सहयात्री के साथ निशुल्क यात्रा कर सकेंगी।

नेपाल की बाढ़ में फंसे यूपी के लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर 1070 जारी; दूतावासों से संपर्क, योगी सरकार अलर्ट

लखनऊः नेपाल में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने वहां फंसे नागरिकों की मदद को लेकर प्रयास तेज किया है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश के लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर 1070 जारी किया है। बाढ़ग्रस्त इलाके में प्रदेश के फंसे लोगों के परिजन किसी प्रकार की मदद के लिए हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय का कहना है कि प्रदेश का कोई नागरिक अगर नेपाल में फंसा है। उसे किसी प्रकार की सहायता की जरूरत है तो उसके परिजन संपर्क कर सकते हैं।

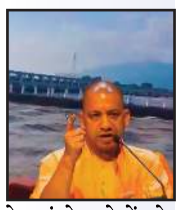

राहत आयुक्त कार्यालय का कहना है कि राज्य के नागरिकों की सुरक्षित वापसी और तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए दूतावासों के स्तर पर भी संपर्क किया जा रहा है।

नेपाल में बाढ़ से सैकड़ों भारतीयों के लापता होने की खबर, ओडिशा सरकार ने बनाया 24X7 कंट्रोल रूम

(जीएनएस)।

भुवनेश्वरः नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने कई इलाकों में भारी तबाही मचा दी है। अचानक आई बाढ़ के बाद कई जगहों पर अफरा-तफरी और अनिश्चितता का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, प्रभावित इलाकों में सैकड़ों भारतीयों के अब तक संपर्क में नहीं आने की खबर है। स्थिति को देखते हुए भारतीय अधिकारी राहत और बचाव से जुड़ी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

ओडिशा सरकार ने उठाया बड़ा कदम

नेपाल में फंसे या प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद के लिए ओडिशा सरकार ने भी कदम उठाया है। राज्य सरकार ने नई दिल्ली स्थित ओडिशा निवास में 24 घंटे और सातों दिन काम करने वाला कंट्रोल रूम शुरू किया है। इसका उद्देश्य नेपाल में मौजूद ओडिशा के लोगों और उनके परिवारों को जरूरी सहायता और जानकारी उपलब्ध कराना है।

अगर नेपाल में मौजूद किसी ओडिशा निवासी से संपर्क नहीं हो पा रहा है या किसी तरह की मदद की जरूरत है, तो परिवार कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते हैं।

इसके लिए ओडिशा ने कंट्रोल रूम के नंबर जारी किए हैं।

मोबाइलः +91-7428135044

मोबाइलः +91-8527580245

लैंडलाइनः 011-23012807

परिवार इन नंबरों पर संपर्क कर नेपाल में फंसे या लापता बताए जा रहे अपने परिजनों के बारे में जानकारी साझा कर सकते हैं।

भारत के विदेश मंत्रालय ने भी आपातकालीन संपर्क नंबर साझा किए

नेपाल में प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए भारत के विदेश मंत्रालय ने भी नेपाल स्थित आपातकालीन संपर्क नंबर साझा किए हैं। नेपाल में +977 9851316807 और +977 9709107500 पर आपातकालीन संपर्क किया जा सकता है।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक अपडेट के लिए @टएअक्ल्र्ला को फॉलो करने की अपील की गई है। ओडिशा सरकार की ओर से डायरेक्टोरेट ऑफ ओडिशा परिवार में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी और नोडल अधिकारी प्रीतिश पंडा को भी सहायता और जानकारी के लिए जिम्मेदारी दी गई है।

जापान के ओकिनावा में तूफान 'साउडेल' का कहर, 150 उड़ानें रद्द; 30 हजार घरों की बिजली गुल

ओकिनावा और आसपास के द्वीपों से गुजरने के बाद तूफान अब पूर्वी चीन के तट की ओर बढ़ रहा है। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण दो लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

(जीएनएस)।

टोक्योः तूफान 'साउदेल' ओकिनावा और जापान के अन्य दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर भारी तबाही मचाने के बाद बुधवार को पूर्वी चीन सागर के ऊपर पश्चिम की ओर बढ़ गया। तूफान के कारण तेज हवाओं, भारी बारिश और बिजली कटौती से जनजीवन प्रभावित हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, हादसों में दो लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

144 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से चलीं हवाएं

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (JMA) के अनुसार, बुधवार देर सुबह टाइफून साउडेल ओकिनावा के ओकिनेराबू द्वीप से करीब 180 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। उस समय तूफान के साथ 144 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। एजेंसी ने बताया कि तूफान पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसके पूर्वी चीन के तट तक पहुंचने की संभावना है।

अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी और प्रांतीय अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि 'साउदेल' तूफान के कारण दो महिलाएं घायल हो गईं। ओकिनावा द्वीप के उरुमा शहर में अपने घर के बाहर खड़ी 78 वर्षीय एक महिला तेज हवाओं के कारण गिर गई, जिससे उसके सिर में चोट लग गई। वहीं पास के अमामिओशिमा द्वीप पर 70 वर्ष की एक महिला तूफान के कारण बिजली गुल होने के दौरान सीढ़ियों से गिरकर घायल हो गई।

150 उड़ानें रद्द

तूफान के कारण ओकिनावा के नाहा हवाई अड्डे से आने-जाने वाली करीब 150 उड़ानें रद्द कर दी गईं। वहीं, कागोशिमा प्रांत में 30 हजार से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। क्यूशू इलेक्ट्रिक पावर कंपनी के मुताबिक, तूफान से अमामी क्षेत्र समेत कई इलाकों में बिजली कटौती हुई है।

रक्षाबंधन पर लखनऊ-चंडीगढ़ और हरिद्वार-लखनऊ के बीच चलेगी विशेष ट्रेनें

रक्षाबंधन पर रेलवे बरेली होकर लखनऊ-चंडीगढ़ और हरिद्वार-लखनऊ के बीच विशेष ट्रेनों का संचालन करेगा। इसके अलावा कई ट्रेनों में स्लीपर श्रेणी के अतिरिक्त कोच भी लगाए जाएंगे। इन ट्रेनों के संचालन से बहनों को राहत मिलने की उम्मीद है।

मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम महेश यादव ने बताया कि 04546 चंडीगढ़-लखनऊ विशेष ट्रेन चंडीगढ़ से 27 अगस्त को शाम 7:40 बजे चलने के बाद अगले दिन तड़के पांच बजे बरेली आएगी। 9:30 बजे लखनऊ पहुंचेगी। 04545 लखनऊ-चंडीगढ़ विशेष ट्रेन 28 अगस्त को दोपहर एक बजे लखनऊ से चलने के बाद शाम 7:50 बजे बरेली आएगी और रात 2:10 बजे चंडीगढ़ पहुंचेगी।

'जो विमान उड़ रहा उसमें बम है', लखनऊ से बेंगलुरु तक मच गया कोहराम

लखनऊ से बेंगलुरु आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए231 को बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया. सूत्रों के मुताबिक, लैंडिंग से ठीक पहले क्रू को धमकी की जानकारी मिली. विमान ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की.

(जीएनएस)।

लखनऊ से बेंगलुरु आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए231 को बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया. सूत्रों के मुताबिक, फ्लाइट के बेंगलुरु एयरपोर्ट पर अंतिम अप्रोच के दौरान क्रू को विमान में बम होने की धमकी के बारे में जानकारी मिली. इसके बाद पायलट और क्रू ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जरूरी कदम उठाए.

फ्लाइट ने सुबह करीब 9:40 बजे बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की. विमान के सुरक्षित उतरने के तुरंत बाद संबंधित अधिकारियों को बम की धमकी के बारे में जानकारी दी गई.

इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट अधिकारियों ने विमान की जांच शुरू कर दी.

अधिकारियों की तरफ से रडढ के तहत विमान की पूरी तरह से तलाशी ली जा रही है. विमान के अंदर के हिस्सों के साथ-साथ सामान और अन्य जरूरी स्थानों की भी जांच की जा रही है.

सूत्रों के मुताबिक, शुरूआती तौर पर बम की धमकी को होक्स यानी फर्जी होने की आशंका है. हालांकि, सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं कर रही हैं और विस्तृत जांच पूरी होने तक सभी जरूरी सावधानियां बरती जा रही हैं.

फिलहाल विमान सुरक्षित है और जांच जारी है. अधिकारियों की विस्तृत जांच के बाद ही यह साफ होगा कि धमकी का स्रोत क्या था और यह वास्तविक थी या महज अफवाह. यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी गई है.

राजनाथ सिंह का तीन दिवसीय लखनऊ दौरा, खोलेंगे सौगातों का पिटारा

रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे. इस दौरान वह उत्तर प्रदेश की राजधानी को विकास की कई बड़ी सौगातें देंगे.

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे. इस दौरान वह उत्तर प्रदेश की राजधानी को विकास की कई बड़ी सौगातें देंगे. इस दौरे का मुख्य मकसद लखनऊ में चल रही बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और जन-सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं को नई रफ्तार देना है. राजनाथ सिंह का यह दौरा 28 अगस्त से 30 अगस्त के बीच होगा. इस दौरान वह लखनऊ में विकास की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे और

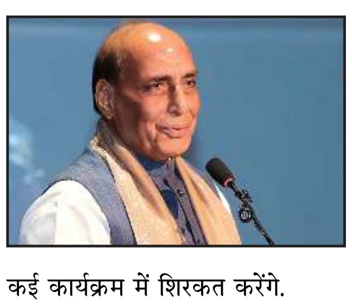

कई कार्यक्रम में शिरकत करेंगे.

भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के मुताबिक, राजनाथ सिंह 28 अगस्त की शाम करीब 4:30 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे. इसके बाद सदर बाजार, न्यू गणेशगंज और महानगर क्षेत्र में शोकाकुल परिवारों से मुलाकात करेंगे. शाम करीब 6:20 बजे वह कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास पहुंचेंगे.

29 अगस्त को कई कार्यक्रम

29 अगस्त को सुबह 11:30 बजे राजनाथ सिंह बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. इसके बाद दोपहर 1 बजे गोमती नगर के विशाल खंड में सीनियर सिटीजन होम भवन का उद्घाटन करेंगे.

फ्रेगरेंस पार्क का करेंगे उद्घाटन

शाम 4 बजे लाजपत नगर चौराहे पर फ्रेगरेंस पार्क का उद्घाटन करेंगे. इसी दौरान लाला लाजपत राय और शहीद भगत सिंह की प्रतिमाओं का अनावरण भी किया जाएगा.

भाजपा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य का लखनऊ में जोरदार स्वागत

लखनऊ, भाजपा के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य अमरपाल मौर्य पदग्रहण के बाद लखनऊ पहुंचे पर पार्टी कार्यकताओं और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। चारबाग रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और नारों के साथ मौर्य का स्वागत किया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, राजधानी के विश्वेश्वरैया सभागार में आयोजित अभिनंदन समारोह में मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन लाने के संकल्प के साथ काम करने वाला संगठन है।

तिरंगा यात्रा से गूंजा विश्वविद्यालय परिसर, विधि संकाय ने दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देशन और कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अगुवाई में हुआ आयोजन

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के विधि अध्ययन संकाय में मंगलवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लेकर राष्ट्रप्रेम व संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देशन और कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अगुवाई में आयोजित इस यात्रा में विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. मसूद आलम, विभागाध्यक्ष डॉ. पियूष त्रिवेदी, कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ला, सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष डॉ. नलिनी मिश्रा सहित डॉ. आशीष शाही, डॉ. कृष्णा मुकुंद, यूसुफ अयाज और डॉ. मिन्हाज हुसैन मौजूद रहे।

यात्रा एकेडमिक बिल्डिंग से शुरू होकर थैंक्यू गेट तक पहुंची। हाथों में तिरंगा थामे विद्यार्थियों ने अनुशासन के साथ भाग लिया, जिससे परिसर में राष्ट्रप्रेम और एकजुटता का माहौल बन गया।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा केवल ध्वज नहीं, बल्कि देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक चेतना और स्वतंत्रता संग्राम की विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि युवाओं में संवैधानिक मूल्यों और नागरिक जिम्मेदारी की भावना भरना भी है। विधि के विद्यार्थियों के लिए यह संदेश खासतौर पर अहम बताया गया, क्योंकि संविधान का सम्मान ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र की एकता व अखंडता के प्रति संकल्प के साथ हुआ।

बरेली में एकी संदिग्ध हालात में मौत, किराए के मकान में मिला शव, हार्ट अटैक की आशंका

(जीएनएस)।

जौनपुर में 22 साल पुराने हत्याकांड के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है. एडीजे प्रथम की अदालत ने हत्या के मामले में सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा के प्रतिनिधि और कार्यकर्ता मनोज मौर्या समेत चार लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने चारों आरोपितों को हत्या का दोषी मानते हुए यह फैसला सुनाया. मामला जमीन विवाद से जुड़ा है. करीब 22 साल पहले जौनपुर में दिनदहाड़े आशीष मौर्या की हत्या कर दी गई थी. इस हत्याकांड में सांसद प्रतिनिधि और सपा नेता मनोज मौर्या समेत चार सगे भाइयों पर हत्या का आरोप था.

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में कालपी में बीच चौराहे पर दो युवकों में जमकर मारपीट का मामला सामने आया है. मुन्नाफुल पावर चौराहे पर दो युवकों के बीच भिड़ंत हो गई. दोनों के बीच जमकर चले लात-घूंसे और चप्पलें. एक-दूसरे को सड़क पर पटक-पटककर पीटा. मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल. राहगीरों की मौजूदगी में बीच सड़क पर होती रही मारपीट. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस. पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल शुरू की. कालपी कोतवाली क्षेत्र के मुन्नाफुल पावर चौराहे का मामला.

बरेली में पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया. बरेली पुलिस लाइन में तैनात एक योगेंद्र सिंह यादव का शव सुभाष नगर थाना क्षेत्र के शांति विहार स्थित किराए के मकान से बरामद हुआ. शुरूआती तौर पर हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई जा रही है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

अयोध्या के मछली भोज विवाद पर राजू दास का खुला इंटरव्यू, हर सवाल का दिया जवाब- कहा हम नागा.....

(जीएनएस)।

अयोध्या : यूपी में अयोध्या हनुमानगढ़ी और महंत राजू दास इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर लोगों की जुबान पर छाए हुए हैं. अपने विवादित बयान की वजह से हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास एक बार फिर चर्चा में बने हुए हैं. राजू दास ने एक टीवी चैनल के डिबेट में कांग्रेस प्रवक्ता को लेकर अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया. इसके बाद वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. तो वहीं कांग्रेस के तमाम नेता राजू दास को लेकर तरह-तरह की बयान बाजी कर रहे हैं. इन तमाम मुद्दे पर

जब राजू दास से मीडिया का सम्पर्क हुआ तो राजू दास ने हर सवाल का जवाब दिया चलिए इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं.

दरअसल, मामला सावन की एकादशी तिथि से जुड़ा है. सावन माह की एकादशी तिथि के मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने राम मंदिर और सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन किया उसके बाद मछली भोज के कार्यक्रम में शामिल हुए. इसके बाद सनातन धर्म के लोगों को यह घटना आहत कर गई और इसी मुद्दे पर टीवी चैनल पर एक डिबेट हो रहा था. जहां पर सनातन धर्म हिंदू धर्म गुरु के तौर पर राजू दास भी उस डिबेट में बैठे थे. इस डिबेट में कांग्रेस प्रवक्ता से कहा सुनी होती है. इसके बाद मामला पूरे देश की सुर्खियों में आ जाता है.

आरा कलेक्ट्रेट में फाइलें खंगाल रहा था 'मौत'! देख कांप उठे अधिकारी, फिर जो हुआ...

आरा समाहरणालय परिसर में एक विषैला कोबरा सांप निकलने से अफरा-तफरी मच गई. सांप को देखते ही अधिकारी और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे. जिसके बाद मोहज्ब्ब खान ने सुरक्षित रेस्क्यू किया और कर्मचारियों ने राहत की सांस ली.

(जीएनएस)।

भोजपुरः आरा समाहरणालय परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सामान्य प्रशाखा कार्यालय के पास अचानक एक विषैला कोबरा सांप दिखाई दिया. सांप को देखते ही अधिकारी और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए वहां से भागने लगे, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई. यह घटना उस समय हुई जब अधिकारी और दर्जनों कर्मचारी अपने काम में व्यस्त थे. अचानक उनकी नजर कोबरा पर पड़ी, जिससे मौके पर मौजूद लोगों के होश उड़ गए. सांप के दिखने के बाद लोगों को यह डर सताने लगा कि अगर वह किसी कमरे या सामान के बीच छिप गया तो उसे पकड़ना मुश्किल हो जाएगा और किसी के साथ कोई अनहोनी भी हो सकती है.

सांप का सफल रेस्क्यू

मामले की सूचना तुरंत सांप का रेस्क्यू करने वाले मोहज्ब्ब खान को दी गई. सूचना मिलते ही मोहज्ब्ब खान समाहरणालय पहुंचे और कोबरा को पकड़ने का काम शुरू किया. सांप के अत्यधिक विषैला होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान विशेष सावधानी बरती गई. काफी मशक्कत के बाद मोहज्ब्ब खान ने कोबरा को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया.

कर्मचारियों ने ली राहत की सांस

कोबरा के सुरक्षित रेस्क्यू होने के बाद समाहरणालय में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने राहत की सांस ली. कुछ देर पहले तक जहां लोग डर के मारे इधर-उधर भाग रहे थे. वहीं सांप के पकड़े जाने के बाद स्थिति सामान्य हो गई. इस घटना ने एक बार फिर सरकारी कार्यालय परिसरों में बरसात के मौसम के दौरान सांपों के निकलने की आशंका को लेकर लोगों की चिंता बढ़ा दी है.

नेपाल की बाढ़ में फंसे राकेश टिकैत, वीडियो शेयर कर बताई पूरी कहानी, कहा मौजूदा समय में वह पोखरा में है और सुरक्षित है.

भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष राकेश टिकैत नेपाल में फंस गए है. जिसके बाद उन्होंने वीडियो शेयर किया और नेपाल में आई त्रासदी के बारे में जिक्र किया. टिकैत ने इस वक्त किन हालातों में है.

(जीएनएस)।

मेरठ : नेपाल में बाढ़ ने हहाकार मचा रखा है, कईयों की मौत की खबर भी सामने आ रही है. बताया जा रहा है इस बाढ़ की चपेट में भारत के लोग भी आए है और 105 भारतीए लापता है. ऐसे में भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष राकेश टिकैत भी नेपाल में फंसे हुए है. टिकैत ने खुद वीडियो शेयर कर बताया कि नेपाल में बाढ़ ने तबाही मचा रखी है और वह भी वहां फंस गए है. राकेश टिकैत ने बताया कि नेपाल में आई त्रासदी के बाद वह

टिकैत ने वीडियो शेयर कर बताया

कि आज 26 अगस्त को नेपाल में जो त्रासदी आई है उसमें वो भी फंस गए है लेकिन बचे हुए है. टिकैत ने बताया कि हमारी जो गाड़िया है वो हमने छोड़ दी है और कल नेपाल से वह फ्लाइट से काटमांडू जाएंगे और फिर वहां से दिल्ली पहुंचेंगे. उन्होंने आगे बताया कि मौजूदा समय में वह पोखरा में है और सुरक्षित है. टिकैत में बताया कि यहां ह्मारे साथ डेलिगेशन में 8 से 9 लोग साथ आए थे वो सभी लोग सुरक्षित है.

टिकैत ने पोखरा शहर का नजारा दिखाते हुए कहा कि यहां लगातार बारिश हो रही है. टिकैत ने उन भारतियों के लिए चिंता जाहिर की जो नेपाल में फंसे हुए है और जो लोग लापता है. टिकैत ने कहा कि हमारे किसान युनियन के कुछ साथी भी नेपाल में है जिनसे हम संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं. साथ ही टिकैत ने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया जो लोग फोन कर उनके हालचाल ले रहे है और चिंतित है. टिकैत ने बताया कि फ्लाइट की टिकट हो गई है 28 अगस्त को वह दिल्ली पहुंच जाएंगे. टिकैत ने सरकार और लोकल लोगों से विनती करते हुए कहा कि जो लोग फंसे हुए है उन्हें सुरक्षित उनके घर तक पहुंचाया जाए.

ड्रम-बाथरूम या पहाड़ से धक्का नहीं... इस बार पत्नी ने तौलिये से किया पति का मर्डर

यूपी के बुलंदशहर में एक महिला ने तौलिये को हथियार बनाया और अपने पति की हत्या कर दी. हत्यारिन पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है.

(जीएनएस)।

बुलंदशहर : उत्तर प्रदेश के जनपद बुलंदशहर में थाना नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव बहलीमपुरा में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. पत्नी ने अपने पति की तौलिये से गला घोंटकर हत्या कर दी. आरोप है कि पति ने पत्नी के अवैध संबंधों का विरोध किया था, जिसके चलते यह खौफनाक कदम उठाया गया. बताया जा रहा है कि हत्या के बाद पत्नी प्रीति अंतिम संस्कार की तैयारी कर रही थी. घर में आठ साल की बेटी समेत पति-पत्नी मौजूद थे.

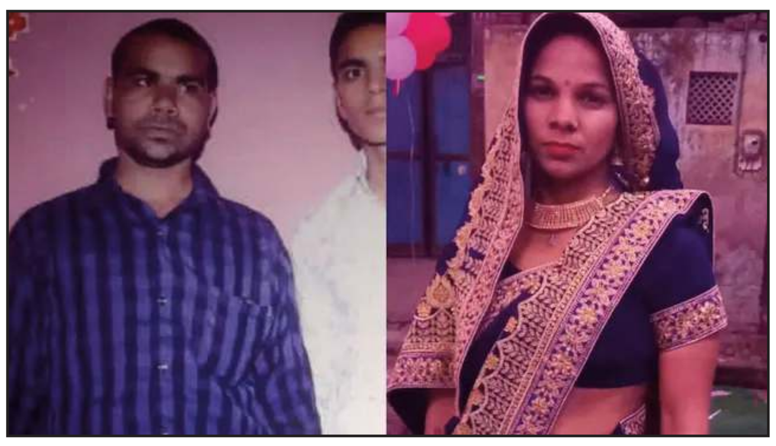

जब रिश्तेदार पहुंचे तो गले पर निशान देखकर उन्हें शक हुआ और पुलिस को सूचना दी गई. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई है. मृतक की मां अंगूरी देवी ने बहू प्रीति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है. परिजनों का आरोप है कि आरोपी पत्नी प्रेमी के साथ फरार होने के लिए संपत्ति बेचने की तैयारी में थी. कुछ महीने पहले 35 लाख रुपये में एक प्लॉट बेचने का भी दावा किया गया है. तीन बीघा जमीन, मकान और एक प्लॉट समेत संपत्ति का विवाद भी सामने आया है.

पुलिस ने आरोपी पत्नी प्रीति को गिरफ्तार कर लिया है. इकलौते बेटे की मौत से बूढ़ी मां अंगूरी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है. घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है. वहीं सीओ सिटी बुलंदशहर प्रखर पांडे ने बताया कि थाना नगर कोतवाली क्षेत्र के बहलीमपुरा गांव में पति की गला घोंटकर हत्या का मामला सामने आया है. पोस्टमार्टम में हत्या की पुष्टि हुई है. आरोपी पत्नी प्रीति को गिरफ्तार कर लिया गया है. मृतक की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

महिलाओं पर मेहरबानी कर चुनावी तैयारी? स्कीम्स को लेकर आमने-सामने सीएम योगी-अखिलेश

महिलाओं के मुद्दे पर सीएम योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव आमने-सामने आ गए हैं। महिला सुरक्षा और आरक्षण को लेकर दोनों नेताओं के बीच जुबानी जंग भी तेज हो गई है।

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में चुनावी सियासत के बीच महिलाओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव आमने-सामने आ गए हैं। योगी सरकार ने महिलाओं के लिए कई योजनाओं और सुविधाओं का ऐलान किया, तो इसके तुरंत बाद अखिलेश यादव ने भी महिलाओं के लिए बड़े वादों की झड़ी लगा दी।

योगी आदित्यनाथ ने पहले 60 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा का ऐलान किया था। इसके बाद रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को बड़ा तोहफा देते हुए तीन दिन तक बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा की। महिलाओं के साथ यात्रा करने वाले एक सदस्य का टिकट भी नहीं लगेगा। सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा का पूरा ख्याल रखती है।

सपा पर सीएम योगी ने साधा निशाना

इस दौरान सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपी की महिलाएं वह दौर नहीं भूली हैं, जब उन्हें न घर में सुरक्षा का भरोसा था और न बाहर। योगी ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं पर माफिया डाका डालते थे।

अखिलेश ने योगी सरकार को घेरा

इसके बाद अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी की महिला नेताओं के साथ सामने आए और 'स्त्री सम्मान समृद्धि' योजना का ऐलान किया। अखिलेश ने कहा कि अगर समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये की पेंशन दी जाएगी और अगले पांच साल तक इसमें हर साल बढ़ोतरी होगी। इंटर पास करने वाली छात्राओं को लैपटॉप देने और महिलाओं के लिए अलग एंबुलेंस सेवा शुरू करने का भी वादा किया गया।

महिला सुरक्षा को लेकर भी अखिलेश ने योगी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बीजेपी महिलाओं से सिर्फ झूठे वादे करती है, जबकि समाजवादी पार्टी अपने वादे पूरे करेगी। अखिलेश ने बीजेपी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह वास्तव में महिलाओं के हित में सोचती है तो पहले संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करके दिखाए।

अखिलेश के बयान पर सीएम का पलटवार

अखिलेश के इस बयान पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी पलटवार किया। सीएम योगी ने कहा कि महिलाओं के हक पर डाका डालना समाजवादी पार्टी की आदत रही है। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि इस मामले में देरी के लिए वही जिम्मेदार हैं। उन्होंने ने दावा किया कि उनकी सरकार जल्द ही महिला आरक्षण से जुड़े बिल को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी।

6.5 करोड़ में रफादफा हो गया 22 हजार करोड़ का कर्ज, बैंकों को झेलना पड़ेगा 99.9 फीसदी नुकसान

एनसीएलटी ने एक कर्ज मामले में कारोबारी सुभाष चंद्रा को 99.9 फीसदी हेयरकट का फायदा दिया है. इसका मतलब है कि उन्होंने कुल कर्ज की महज 0.01 फीसदी राशि लेकर निपटारा कर दिया है. यह सारा नुकसान बैंकों को झेलना पड़ेगा, जबकि वह इस समाधान योजना का विरोध कर रहे हैं.

ऐसे खत्म होता है अमीरों का कर्ज, 6.5 करोड़ में निपट गया 22 हजार करोड़ का लोन

(जीएनएस)।

नई दिल्ली. बैंकों में जमा आम आदमी का पैसा और उनकी गाढ़ी कमाई कारोबारियों और मोटे कर्जदारों पर खुलेआम बर्बाद हो रही है. राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने एक हालिया मामले में 22 हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा के कर्ज के मामले को महज 6.5 करोड़ रुपये में रफादफा करने की मंजूरी दे दी है. एनसीएलटी ने यह फैसला तब दिया है जबकि कुछ समय पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बैंकों को मोटे हेयरकट के जरिये आम आदमी के पैसों को ऐसे ही बर्बाद नहीं करना चाहिए और कर्जदारों से उसकी वसूली की हरसंभव कोशिश करनी चाहिए.

ताजा मामले में एनसीएलटी ने मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा की व्यक्तिगत दिवाला समाधान प्रक्रिया में करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के कर्ज को महज 6.5 करोड़ रुपये के भुगतान पर सेटलमेंट करने की मंजूरी दे दी है. योजना को मंजूरी मिलने से कर्जदाताओं यानी बैंकों को करीब 99.97 फीसदी बकाया का नुकसान (हेयरकट) स्वीकार करना होगा.

एनसीएलटी के न्यायिक सदस्य नीलेश शर्मा ने न्यायाधिकरण के तीसरे सदस्य के रूप में मंगलवार को दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 114 के तहत निपटान योजना को मंजूरी दी.

उन्होंने कर्जदाताओं की उन आपत्तियों को खारिज कर दिया, जिनमें प्रस्तावित वसूली को बेहद कम बताते हुए योजना को मंजूरी नहीं देने की मांग की गई थी.

बैंकों के विरोध को भी ठुकराया

इससे पहले एनसीएलटी की दो-सदस्यीय पीठ ने अलग-अलग राय दी थी. इसके बाद मतभेद के निपटारे के लिए न्यायाधिकरण के अध्यक्ष ने शर्मा को तीसरे सदस्य के रूप में नियुक्त किया था. एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की अगुवाई वाले कर्जदाताओं के समूह ने योजना को अव्यावहारिक और गैरकानूनी बताते हुए इसका विरोध किया था. एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा था कि करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत दावों के मुकाबले योजना में कर्जदाताओं को केवल 6.25 करोड़ रुपये और प्रक्रिया लागत के लिए 25 लाख रुपये देने का प्रस्ताव है.

किस पर कितना कर्ज बकाया

एनसीएलटी के आदेश के अनुसार, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का स्वीकृत दावा 1,322.39 करोड़ रुपये था, जबकि उसके लिए प्रस्तावित भुगतान महज 38,09,294 रुपये था. यह उसके स्वीकृत दावे का करीब 0.028 फीसदी ही था.

आपत्ति करने वाले कर्जदाताओं ने यह भी कहा था कि पुनर्भुगतान योजना में 6.5 करोड़ रुपये की प्रस्तावित राशि को भी निश्चित नहीं, बल्कि संकेतात्मक बताया गया है. लिहाजा यह योजना अस्थायी और गैर-निश्चित है और इसे मंजूरी नहीं दी जा सकती. हालांकि, एनसीएलटी ने कहा कि आपत्ति करने वाले कर्जदाताओं के पास कुल मिलाकर 20 फीसदी से कम मताधिकार ही था, जबकि योजना को 80.81 फीसदी मतों का समर्थन हासिल था.

शर्मा के पास इससे भी कम संपत्ति

एनसीएलटी के तीसरे सदस्य शर्मा ने 144 पृष्ठ के आदेश में कहा कि समाधान पेशेवर के आकलन के मुताबिक, चंद्रा की व्यक्तिगत संपत्ति का मूल्य योजना के तहत प्रस्तावित राशि से भी काफी कम था. ऐसे में योजना को खारिज करने पर असहमत कर्जदाताओं को अधिक राशि मिलने की संभावना नहीं थी. न्यायाधिकरण ने कहा कि योजना को मंजूरी मिलने से चंद्रा की वित्तीय स्थिति सुधरने और उनके मूल कर्जदाताओं से असहमत कर्जदाताओं को सीधे वसूली की बेहतर संभावना बन सकती है. मामला अब बहुमत की राय के अनुरूप औपचारिक आदेश पारित करने के लिए मूल दो सदस्यीय पीठ के पास वापस जाएगा.

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

प्याज रूपी महंगाई डायन का एक और बम

त्योहारी सीजन में महंगाई ने फिर दिखाए अपने तेवर त्योहारी सीजन की शुरूआत से पहले ही महंगाई का तड़का शुरू हो गया है। रक्षा बंधन और जन्माष्टमी के बड़े त्योहारों के अवसर पर महंगाई की मार रसोई पर पड़ने से लोगों के घरों का बजट गड़बड़ा गया है। चालू वर्ष में जनता को झटके पर झटके लग रहे हैं। अमेरिका – ईरान इजरायल युद्ध के चलते थ्ज्ञ गैस के दामों में बेतहाशा वृद्धि हुई। पेट्रोल–डीजल भी महंगा हुआ और अभी जनता थोड़ा संभलने की कोशिश कर ही रही थी कि महंगाई डायन का एक और बम पूट गया। चीनी, अरहर दाल और चावल के साथ–साथ आलू–प्याज के दाम भी तेजी से बढ़ गए हैं। रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। चीनी के बाद अब दाल–चावल से लेकर सब्जियों के दामों में भी आग लग गई है। एक महीने में चीनी 20 रुपये महंगी हो चुकी है। तो वहीं प्याज और सब्जियों के दाम भी आसमान छू रहे हैं। आलू और प्याज के अलावा हरी सब्जी के दाम काफी बढ़ गए हैं। खाने–पीने की चीजों और रोजमर्रा की जरूरत के सामान महंगे होने से त्योहारों के सीजन में आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लगातार बारिश और बाढ़ के कारण सब्जियों की सप्लाई प्रभावित हुई है, जिससे बाजार में इनकी कीमतों में भारी तेजी देखने को मिल रही है। अचानक दाम बढ़ने का असर मिठाइयों व अन्य खाद्य सामग्री के साथ चाय–नाश्ते और घर के बजट पर भी पड़ रहा है। हालांकि वेंद्र सरकार ने चीनी के शुल्क मुफ्त आयात को मंजूरी दी है। बावजूद इसके फिलहाल बाजार में बढ़े दाम चिता का कारण बने हुए हैं। आम आदमी पर महंगाई का बोझ एक बार फिर बढ़ गया है। अभी चीनी और प्याज के रेट आसमान पर पहुंचे हैं। इसका असर सीधे आम आदमी की जेब पर पड़ा है। प्याज से लेकर खाद्य वस्तुओं के दामों का आकाश छूना हैरानी की बात है। इस दौरान खुफिया तंत्र, वृषि विपणन बोर्ड की बाजारों में सयिता बढ़ाकर जमाखोरों तथा कालाबाजारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के आदेश जारी करने चाहिए। न तो बढ़ती कीमतों का फायदा वृषक को मिलता है और न ही घटती कीमतों का फायदा उपभोक्ता को मिलता है। इसका लाभ जमाखोर, कालाबाजारी करने वाले उड़ा ले जाते हैं। जब तक कालाबाजारी, मुनाफाखोरी और जमाखोरी पर सरकार रोक नहीं लगाती महंगाई बढ़ती रहेगी। देश में जितनी भी समस्याएं हैं चाहे, महंगाई हो, जमाखोरी, मुनाफा–खोरी अथवा काला बाजारी इन सबकी जड़ों में भ्रष्टाचार रूपी दीमक लगा हुआ है, जिसका पोषण व संरक्षण राजनीतिक लोग करते हैं। सरकार किसी भी दल की आ जाए यह काले कारनामें बन्द नहीं हो सकते क्योंकि सत्ता बदलते ही बेईमान लोगों की आस्था भी बदल जाती है। इनके सुर भी बदल जाते हैं। इसलिए कोई परिवर्तन नहीं आता। हालात जस के तस ही रहते हैं। जब बढ़ती कीमतों का लाभ किसानों तक और घटी हुई कीमतों का लाभ उपभोत्ताओं तक न पहुंच रहा हो तब जाहिर है कि इन दोनों के बीच में ही कहीं गुम होने लगा है क्योंकि इन दोनों के बीच बाजार रहता है। ऐसे में बाजार की भूमिका पर संदेह किया जाना स्वाभाविक है। बाजार में किसी खाद्य वस्तु के मनमजा से ऐंठे जा रहे दाम लचर प्रशासनिक व्यवस्था का संकेत देते हैं। ऐसे में स्थानीय प्रशासन बाजार पर कड़ी नजर रखे। कारकों को चिन्हित कर दंड की व्यवस्था अंततरू निाित ही अच्छे परिणाम देगी। लेकिन उससे पहले जरूरी है कि किन तरीकों से इन कारकों का सही पता लगाया जा सकता है। देश में महंगाई का उतार–चढ़ाव आर्थिक मायने में किसानों एवं उपभोत्ताओं को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। महंगाई के उतार–चढ़ाव में लाभ से परे किसानों की व्यथा उपभोत्ताओं के समान ही है क्योंकि महंगाई के अर्थशास्त्र में सरकार की भूमिका निष्प्रभावी है।

अखिलेश के एमवाई से सीएम योगी का एमवाई कितना अलग? यूपी की सियासत में नया समीकरण सेट

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई नई योजनाओं के जरिए समाजवादी पार्टी के वर्षों से चले आ रहे एमवाई यानी कि मुस्लिम यादव समीकरण का तोड़ निकाल लिया है. महिलाओं और युवाओं को ध्यान में रखते हुए सीएम योगी ने कई बड़ी घोषणाएं कर एमवाई की नई परिभाषा सेट कर दिया है.

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का समय जैसे–जैसे नजदीक आ रहा है. वैसे–वैसे नए–नए समीकरण बनकर तैयार हो रहे हैं. इसी कड़ी में अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के एमवाई यानी कि मुस्लिम–यादव समीकरण का तोड़ निकाल लिया है. अब आगामी विधानसभा चुनाव में राजनीतिक लड़ाई ट ५२ ट देखने को मिलेगा. क्योंकि सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी ट का कॉम्बिनेशन बना लिया है. सीएम योगी के ट का मतलब महिला और का मतलब युवा.

युवाओं और महिलाओं को योगी सरकार का तोहफा

युवाओं के साथ सेल्फी लेते हुए सीएम योगी ने युवाओं के भविष्य को उज्जवल करने के लिए 6 महीने में एक लाख नौकरी देने की घोषणा कर दी. बुजुर्ग महिलाओं यानी 60 या 60 प्लस की उम्र वाली महिलाओं को यूपी रोडवेज में फ्री यात्रा के साथ टेबलेट वितरण एमबीबीएस–बीडीएस इंटर्नशिप भत्ता दोगुने से ज्यादा, 12 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दिया.

यूपी में MY Vs MY

इस बार का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अखिलेश यादव का MY समीकरण vs योगी आदित्यनाथ का MY समीकरण के बीच होने जा रहा है. अखिलेश यादव का मुस्लिम यादव कॉम्बिनेशन के साथ ढऊ्भ समीकरण के साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे तो वहीं योगी आदित्यनाथ महिला झ युवा कॉम्बिनेशन के साथ विकास को

लेकर चुनावी मैदान में उतरेंगे. ये दो तस्वीरें लगातार सोशल मीडिया पर वायरल है. सीएम योगी आदित्यनाथ युवाओं के साथ सेल्फी ले रहे है. इसी कार्यकर्म में सीएम योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया है की वो युवाओं को 6 महीने में एक लाख नौकरियां देंगे.

9 साल में साढ़े नौ लाख नौकरियां

इसके अलावा सीएम योगी आदित्यनाथ ने ये भी दावा किया है कि उत्तर प्रदेश में 9 साल में 9.30 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं. सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस ऐलान के बाद ताबड़तोड़ तीन बड़े ऐलान कर दिए और यहीं से सीएम योगी आदित्यनाथ ने चुनावी साल में समाजवादी पार्टी को काउंटर करने के लिए अपना ट यानी महिला युवा समीकरण तैयार कर दिया.

88 हजार बुजुर्ग महिलाएं हर रोज करती हैं यात्रा

एमबीबीएस–बीडीएस इंटर्नशिप भत्ता को योगी सरकार ने दोगुना कर दिया है, यानी कि 12 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दिया गया है. इसके अलावा युवा शक्ति को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में 25 लाख टैबलेट बाटने का फैसला किया और इसके अलावा 60 साल या 60 साल से ज्यादा उम्र वाली महिलाओ को उत्तर प्रदेश रोडवेज में फ्री यात्रा का फैसला किया. आपको बता दें की रोजाना 88 हजार बुजुर्ग महिला इसका फायदा ले पाएंगी.

मेडिकल इंटर्न को योगी सरकार का बड़ा तोहफा

आपको बता दें कि मेडिकल इंटर्न को योगी सरकार का तोहफा है. 2021 में भी बढ़ाया गया था इंटर्नशिप भत्ता. योगी सरकार ने इससे पहले भी 2021 में यह भत्ता 7,500 से बढ़ाकर 12 हजार रुपये किया था. ओपीडी और रात्रि ड्यूटी में ये इंटर्न्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. आपको बता दें कि प्रदेश में एमबीबीएस और बीडीएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए रोटेटिंग इंटर्नशिप अनिवार्य है. इंटर्नशिप के दौरान छात्र राजकीय चिकित्सा संस्थानों में मरीजों के उपचार में चिकित्सकीय सहयोग देने के साथ ही आपातकालीन सेवाओं, वार्ड, ओपीडी और रात्रि ड्यूटी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. अब योगी सरकार के फैसले से ये बेहद खुश है. जाहिर तौर पर चुनावी साल में सीएम योगी आदित्यनाथ का बैक to बैक घोषणाओं से नया MY समीकरण तैयार होने के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है. सीएम योगी के मास्टर स्ट्रोक और अखिलेश यादव का पलटवार से साफ जाहिर है की चुनावी साल में राजनीतिक बयानबाजी लगातार जारी रहेगी.

पंजाब में चुनाव से पहले ही कांग्रेस पस्त, गुटबाजी और 'श्रद्धांजलि विवाद' से बिगड़ा खेल

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की मुसीबतें बढ़ गई हैं. राहुल गांधी की सितंबर में प्रस्तावित पंजाब बस यात्रा टल गई है. सज्जन कुमार के निधन के बाद दीपेंद्र हुड्डा और चरणजीत सिंह चन्नी के बीच जुबानी जंग ने भारी विवाद खड़ा कर दिया है. कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी और सीएम फेस की रेस ने पार्टी के चुनावी कैंपेन को भारी नुकसान पहुंचाया है. बीजेपी लगातार इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेर रही है.

(जीएनएस)।

चंडीगढ़ः क्या सज्जन कुमार के ह्रश्रद्धांजलि विवादह्र ने पंजाब में राहुल गांधी की बस यात्रा पर ब्रेक लगा दिया है? ये सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि सितंबर के पहले हफ्ते में प्रस्तावित राहुल गांधी की यात्रा दरबार साहिब में मत्था टेकने के बाद शुरू होने वाली थी. कांग्रेस इसे पंजाब विधानसभा चुनाव के कैंपेन की शुरूआत के तौर पर देख रही थी. लेकिन सज्जन कुमार विवाद के बाद अब इस यात्रा में देरी हो रही है. यानी कांग्रेस का कैंपेन शुरू होने से पहले ही पटरी से उतरता नजर आ रहा है.

सितंबर के पहले हफ्ते से कांग्रेस नेता राहुल गांधी पंजाब की सड़कों पर उतरने वाले थे. लेकिन सज्जन कुमार की मौत पर हरियाणा के नेताओं की श्रद्धांजलि और चन्नी के पलटवार वाले बयान ने कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दीं.

सज्जन कुमार को कथित रूप से रोल मॉडल बताने वाले दीपेंद्र हुड्डा के बयान पर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी. इसके बाद उन्हें अपने बयान पर खेद जताना पड़ा. उन्होंने कई बार सफाई भी दी.

पंजाब चुनाव से ठीक पहले इस

विवाद ने कांग्रेस को अंदर और बाहर दोनों तरफ से घेर लिया है. इसका असर राहुल गांधी की प्रस्तावित बस यात्रा पर भी पड़ा है. सितंबर के पहले हफ्ते से शुरू होने वाली ये यात्रा अब लेट हो गई है.

पंजाब में राहुल गांधी की बस यात्रा का शेड्यूल क्या था?

राहुल गांधी अमृतसर से पंजाब का चुनावी दौरा शुरू करने वाले थे. अमृतसर में दरबार साहिब में मत्था टेकने के बाद पंजाब कांग्रेस के सभी नेताओं के साथ बस यात्रा का कार्यक्रम बनाया गया था.

राहुल गांधी की ये बस यात्रा अमृतसर से शुरू होकर हुसैनीवाला तक करीब 135 किलोमीटर की होने वाली है. यात्रा के पहले चरण में करीब 25 से 30 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरने की योजना थी.

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर राजा वडिंग ने कहा कि यात्रा जल्द शुरू होगी. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पंजाब में दो दिन से लेकर 15 दिन तक रह सकते हैं.

पंजाब में गुटबाजी का शिकार है कांग्रेस

पंजाब कांग्रेस पहले से ही गुटबाजी में फंसी हुई है. चन्नी और रंधावा गुट किसी भी कीमत पर प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग को हटाने पर तुला हुआ है. हालांकि आलाकमान ने फिलहाल किसी बड़े बदलाव से इनकार कर दिया है.

इस अनसुलझे झगड़े के बीच राहुल गांधी की बस यात्रा के जरिए पार्टी सभी गुटों के नेताओं को एकजुट कर एक बस में बैठाने की रणनीति बना रही थी. इसका मकसद पार्टी में एकजुटता का संदेश देना था. लेकिन राहुल गांधी का ये एकजुटता वाला इवेंट भी फिलहाल नहीं हो सका.

कांग्रेस का दावा है कि जल्द ही ये यात्रा शुरू होगी. पार्टी के मुताबिक राहुल गांधी पंजाब में जमकर प्रचार करेंगे. वहीं विपक्षी दल राहुल गांधी के दौरे पर सवाल उठा रहे हैं. बीजेपी का कहना है कि कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई ने राहुल गांधी के रथ को रोक रखा है.

कांग्रेस के चुनावी रणनीतिकार सुनील कोनुगोलू की आंतरिक रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब में आम आदमी पार्टी के खिलाफ जीत की प्रबल संभावना थी. लेकिन सीएम फेस बनने की दौड़ को लेकर शुरू हुए विवाद ने पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं.

कांग्रेस में करीब पांच बड़े नेता खुद को सीएम पद की दौड़ में देखते हैं. ऐसे में नेता लगातार एक–दूसरे पर बयानबाजी कर अपनी संभावनाएं मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं. इससे पार्टी की चुनावी संभावनाएं दिनों दिन कमजोर होती जा रही हैं.

हालांकि कांग्रेस को अभी भी राहुल गांधी से चमत्कार की उम्मीद है. पार्टी को उम्मीद है कि राहुल गांधी की पंजाब यात्रा से गुटबाजी के बीच कार्यकर्ताओं और नेताओं को एकजुट किया जा सकेगा.

लखनऊ–पटना सहित इन 6 शहरों तक पहुंच रही प्याज, 35 रुपए में मिलेगी

देशभर में प्याज की सप्लाई तेज कर दी गई है. आज कांदा एक्सप्रेस की पहली खेप रवाना हुई है. 6 बड़े शहरों में प्याज का स्टॉक जरूरत के हिसाब से पूरा किया जा रहा है.

देश में प्याज की कीमतों को कंट्रोल में रखने के लिए सरकार ने सप्लाई बढ़ाने का काम तेज कर दिया है. नासिक से देश के बड़े शहरों तक प्याज पहुंचाई जा रही है. और इसके लिए सड़क के साथ–साथ रेलवे का भी इस्तेमाल किया जा रहा है. सरकार की कोशिश है कि त्योहार और शादी के सीजन में मांग बढ़ने के बावजूद प्याज की कीमत में एकदम से उछाल न आए.

कहां से रवाना हुई कांदा एक्सप्रेस?

प्याज की सप्लाई बढ़ाने के लिए नासिक से दिल्ली के लिए पहली कांदा एक्सप्रेस रवाना की गई है. इसके जरिए ज्यादा से ज्यादा प्याज को तेजी से बड़े बाजारों तक पहुंचाया जा रहा है. रेलवे के अलावा सड़क मार्ग से भी प्याज की सप्लाई की जा रही है. सरकार का फोकस उन शहरों तक प्याज पहुंचाने पर है, जहां मांग ज्यादा है और जहां कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है.

किन 6 शहरों तक पहुंचेगी प्याज?

सरकार की ओर से प्याज की पहली सप्लाई लखनऊ, वाराणसी, पटना, चंडीगढ़, जम्मू और अमृतसर तक की जा रही है. इन शहरों में बफर स्टॉक से बाजार में प्याज की क्वांटिटी बढ़ाई जा रही है. मंडियों में प्याज की भरपूर सप्लाई बनी रहे और त्योहार के सीजन में अचानक कीमत न बढ़े, बस इसलिए ये कोशिश की जा रही है.

क्या है टारगेट?

सरकार ने 2026–27 के लिए करीब 2 लाख टन रबी प्याज खरीदने का टारगेट रखा है. अभीतक लगभग 1.21 लाख टन प्याज खरीदी जा चुकी है. इस प्याज को बफर स्टॉक के तौर पर रखा जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर बाजार में इसकी सप्लाई बढ़ाई जा सके. सरकार बाजार की मांग और कीमतों पर ध्यान दे रही है. अगर किसी इलाके में प्याज के दाम तेजी से बढ़ते हैं तो बफर स्टॉक से वहां प्याज भेजी जा सकती है.

कितने में बिका प्याज?

सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, 26 अगस्त 2026 को देश में प्याज का खुदरा भाव 37.87 रुपए प्रति किलो था. इस दिन टमाटर का भाव 38.33 रुपए प्रति किलो और आलू 22.63 रुपए किलो था. आने वाले दिनों में त्योहारों और शादी के सीजन के कारण प्याज की मांग बढ़ सकती है. ऐसे में कीमतों में तेजी का दबाव बन सकता है.

क्या है सरकार की कोशिश?

सरकार अब बफर स्टॉक से बाजार में प्याज की क्वांटिटी बढ़ाकर प्याज की बढ़ती कीमत को कंट्रोल रखना चाहती है. कोशिश की जा रही है कि प्याज 35 रुपए प्रति किलो पर कराया जा सके. बाजार में मांग और कीमतों की स्थिति को देखते हुए बफर स्टॉक से आगे भी प्याज जारी की जाएगी. इससे उम्मीद है कि आने वाले त्योहारों और शादी के सीजन में बढ़ती मांग का असर सीधे आम लोगों की जेब पर कम पड़ेगा.

लखनऊ डबल मर्डर–सुसाइड केस; लॉक आईफोन और हत्या से पहले 20 कॉल्स? जांच में जुटी पुलिस

(जीएनएस)।

लखनऊः राजधानी में 20 अगस्त 2026 को हुए डबल मर्डर और सुसाइड की गुत्थी अभी भी पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है. घटना के 6 दिन बीतने के बाद भी पुलिस जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है. वारदात में सुसाइड करने वाले पति ने पहले अपनी पत्नी फिर बहन की गोली मारकर हत्या कर दी थी.

इस मामले में सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर मानस के पास तीन असलहे कहां से आए? घटना से ठीक पहले वह किन लोगों के संपर्क में था? अब पुलिस की जांच का दायरा घटना के चंद मिनटों के घटनाक्रम से निकलकर मानस के पूरे नेटवर्क तक पहुंच गया है. पुलिस ने उसकी कॉल डिटेल खंगाली है.

जांच में सामने आया है कि वारदात से पहले मानस ने करीब 20 लोगों से बातचीत की थी. इन सभी कॉल को पुलिस अब खंगाल रही है. यह पता लगाया जा रहा है कि इनमें से कौन उसके लगातार संपर्क में था और किससे उसकी आखिरी बातचीत हुई थी.

संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है. डीसीपी ईस्ट डॉ. दीक्षा शर्मा के नेतृत्व में पुलिस की टीमें घटना की हर कड़ी को जोड़ने में जुटी हैं. पुलिस ने मानस और दिव्या से जुड़े कई लोगों से पूछताछ की है.

उनके सहकर्मियों, परिचितों और

अन्य संबंधित लोगों से घटना से पहले के हालात के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस खास तौर पर यह पता कर रही है कि वारदात से ठीक पहले मानस कहां था, किससे बात कर रहा था और उसे दिव्या की लोकेशन की जानकारी कैसे मिली.

20 लोगों से बातचीत वाले नंबरों की पड़तालः जांच में सामने आए कॉल डिटेल रिकॉर्ड ने पुलिस के सामने नई तस्वीर रखी है. वारदात से पहले मानस ने करीब 20 लोगों से बातचीत की. इन नंबरों को एक–एक कर खंगाला जा रहा है.

पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या इन लोगों में कोई ऐसा व्यक्ति था, जो मानस को हथियारों के इंतजाम, दिव्या की गतिविधियों या घटना की योजना से जुड़ी कोई जानकारी दे रहा था. फिलहाल, किसी व्यक्ति की भूमिका को लेकर पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया है. यही वजह है कि जांच में कॉल डिटेल, सीसीटीवी, मोबाइल डेटा और हथियारों की फॉरेंसिक जांच को बेहद अहम माना जा रहा है.

तीन पिस्टल ने बढ़ाया रहस्यः घटनास्थल से पुलिस को तीन हथियार मिले हैं. यही तीन हथियार अब इस पूरे केस की सबसे बड़ी पहेली बने हुए हैं. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मानस के पास तीनों हथियार कैसे पहुंचे. इनकी खरीद और मानस के संपर्क में रहे लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है.

रिपोर्टों के मुताबिक, पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि इन हथियारों में से किससे फायरिंग हुई. सवाल सिर्फ यह नहीं है कि मानस ने गोली क्यों चलाई, बल्कि यह भी है कि उसने तीन हथियारों का इंतजाम क्यों किया और यह हथियार उसे किसने उपलब्ध कराए थे.

लॉक ॅढँ्ल्ली में छिपे हैं कई जवाबः जांच में अहम कड़ी मानस का ॅढँ्ल्ली भी बना हुआ है. फोन लॉक है और पुलिस उसके भीतर मौजूद डिजिटल जानकारी तक पहुंचने की कोशिश कर रही है. इस फोन से चैट, कॉल, संपर्कों और घटना से पहले की गतिविधियों से जुड़े कई सुराग मिल सकते हैं.

यूपीः प्रधानमंत्री मोदी से मिले रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह, बागपत के घेवर का स्वाद चखाया, खासियत भी बताई

केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कौशल विकास व कृषि योजनाओं को लेकर चर्चा की। जयंत ने बागपत के सराय का

मशहूर घेवर भी प्रधानमंत्री को खिलाया।

यूपी में चल रही बयानबाजी के बीच रालोद अध्यक्ष व केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जयंत ने सबसे पहले प्रधानमंत्री को अमीनगर सराय के घेवर का स्वाद चखाया। इसके बाद कौशल विकास व कृषि योजनाओं को लेकर चर्चा की गई, जिससे युवाओं व किसानों को फायदा मिल सके।

रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह को चवन्नी से रुपया बनाने का सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बयान दिया तो इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई। इस बीच चौधरी जयंत सिंह बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पहुंचे। उनके लिए जयंत ने अमीनगर सराय का मशहूर घेवर मंगवाया। जिसे भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष शशांक मलिक के साथ अमीनगर सराय के अन्य लोग लेकर जयंत के आवास पर पहुंचे।

चौधरी जयंत सिंह ने वह घेवर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया और उसकी खासियत भी उनको बताई। चौधरी जयंत सिंह के निजी सचिव बीरपाल मलिक के अनुसार युवाओं के लिए चल रही कौशल विकास की योजनाओं को लेकर जयंत की प्रधानमंत्री से बातचीत हुई। उनको बेहतर संचालन करके युवाओं को ज्यादा लाभ देने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही सरकार की कृषि योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा किसानों को मिले, इस पर भी चर्चा की गई।

लखनऊ में एथलेटिक्स प्रतियोगिता, 300 छात्रों ने लिया हिस्साः10 जिलों के विद्यार्थियों ने दिखाया कौशल, छात्र–छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

(जीएनएस)।

लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में बुधवार को एक एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 300 छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन साकेत संभाग के संभाग निरीक्षक गोपाल रामजी ने किया।

प्रतियोगिता में 100, 200, 400, 600 और 1600 मीटर दौड़ के साथ–साथ गोला फेंक, भाला फेंक, हैमर थ्रो, डिस्कस थ्रो, लंबी कूद और ऊंची कूद जैसी विभिन्न स्पधाएं शामिल थीं। प्रदेश के 10 जिलों के विद्यालयों से आए छात्र–छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

शिशु, बाल, किशोर एवं तरुण वर्ग के विजेताओं को पदक पहनाकर सम्मानित किया गया। विभिन्न वर्गों में कुल 38 छात्र–छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। संपूर्ण प्रतियोगिताओं में निराला नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक मेडल अपने नाम किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य दुर्गेश चंद्र पांडे, संकुल के अन्य प्रधानाचार्य व अधिकारीगण, विद्यालय के निदेशक रामतीर्थ वर्मा और गोंडा विद्यालय से आए पर्यवेक्षक देवेंद्र जी उपस्थित रहे।

मलिहाबाद के जगदीशपुर गाँव में सालों से टूटी पड़ी नाली जिम्मेदार कौन

(जीएनएस)।

मलिहाबाद। लखनऊ विकासखंड मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम पंचायत हटौली के मजरा जगदीशपुरखुर्द में ग्राम पंचायत की लापरवाही एक गरीब परिवार पर भारी पड़ रही है। जगदीशपुर निवासी विधवा पूनम पत्नी स्व. राजेश कुमार के घर के पास से गुजरने वाली नाली पिछले कई वर्षों से टूटी पड़ी है। नतीजा यह है कि पूरे गांव का गंदा पानी सीधे पूनम के घर की दीवार से होकर जाता है। नाली के गंदे पानी और सीलन के कारण पूनम के घर की दीवारें जगह-जगह से चटक गई हैं। मकान कभी भी गिर सकता है। बरसात में स्थिति और बदतर हो जाती है। पीड़ित पूनम का आरोप है कि इस समस्या की शिकायत उन्होंने कई बार ग्राम प्रधान और विकासखंड अधिकारी से की है। लेकिन आज तक न तो नाली की मरम्मत हुई और न ही जलनिकासी की कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। पूनम ने कहा - अगर कोई अनहोनी होती है तो उसकी जिम्मेदार ग्राम प्रधान और विकासखंड अधिकारी होंगे।सरकार और प्रशासन खुद कहता है कि गरीब, विधवा और असहाय लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएगा। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है।क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि तुरंत नाली की मरम्मत कराकर पूनम के घर की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, वरना बरसात में बड़ा हादसा हो सकता है।

ईद-ए-मिलाद पर दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, राम लखन गौतम ने बिल्हौर से चौबेपुर तक दिया भाईचारे का संदेश

(जीएनएस)।

बिल्हौर (कानपुर)। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के अवसर पर बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी राम लखन गौतम ने अपने समर्थकों के साथ बिल्हौर, मकनपुर और चौबेपुर कस्बे में पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों को पर्व की मुबारकबाद दी। इस दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात कर आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया।

राम लखन गौतम ने कहा कि पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का जीवन पूरी मानवता के लिए प्रेम, शांति, इंसानियत और भाईचारे की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि त्योहार समाज को जोड़ने और एक-दूसरे के करीब आने का अवसर देते हैं।

बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र की गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारा इसकी विशेष पहचान है, जिसे मजबूत बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

चौबेपुर कस्बे में राजू कुरैशी, शेरू कुरैशी और फहीम कुरैशी सहित अन्य लोगों ने राम लखन गौतम से मुलाकात की। वहीं मकनपुर में साहिर हुसैन जाफरी, चांदी भाई, निजामत अली, सिराज और मेहराज सहित स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया और पर्व की शुभकामनाएं दीं।

इसी क्रम में बिल्हौर में पूर्व चेयरमैन शादाब खान, नदीम, अरशद भाई सहित अन्य लोगों से भी राम लखन गौतम ने मुलाकात की। इस दौरान लोगों के बीच आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का माहौल देखने को मिला।

विधानसभा चुनाव को लेकर भी सक्रियता

ईद-ए-मिलाद के अवसर पर जनसंपर्क के साथ-साथ राम लखन गौतम की राजनीतिक सक्रियता भी चर्चा में रही। वह आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र में लगातार लोगों के बीच पहुंच रहे हैं। समाजवादी पार्टी से विधानसभा टिकट के संभावित दावेदारों में उनका नाम भी चर्चा में है। हालांकि पार्टी की ओर से अभी टिकट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

यदि समाजवादी पार्टी उन्हें प्रत्याशी बनाती है तो राम लखन गौतम एक बार फिर बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क के माध्यम से वह लोगों के बीच अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं।

राम लखन गौतम ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर क्षेत्र का विकास करना होना चाहिए। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आपसी भाईचारा, सामाजिक एकता और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

इस दौरान उनके समर्थकों सहित बिल्हौर, मकनपुर और चौबेपुर क्षेत्र के अनेक स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नेपाल में बाढ़ से तबाही,26 मोतें पर्यटन विभाग के मुताबिक 384 लोग लापता

(जीएनएस)।

जिनमे 291 विदेशी और 105 भारतीय है तिब्बत में ग्लेशियर झील फटने की आशंका

आज 26 अगस्त 2026 को नेपाल के रसुवा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र टिमुरे में सुबह तिब्बत की ओर से अचानक बड़ी मात्रा में पानी आने के कारण आकस्मिक बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। उपलब्ध प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार लगभग सुबह 9:00 बजे भोटेकोशी नदी के माध्यम से तिब्बत की ओर से अत्यधिक जलप्रवाह नेपाल में प्रवेश किया। इससे टिमुरे बाजार एवं आसपास के नदी तटीय क्षेत्रों में व्यापक क्षति की सूचना है।

नेपाल के जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह बाढ़ सामान्य वर्षा के कारण उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि तिब्बत की ओर से अचानक अत्यधिक मात्रा में पानी आने के कारण हुई है।

प्रारंभिक तौर पर हिमनदीय झील के अचानक फटने (Glacial Lake Outburst Flood-GLOF) की आशंका व्यक्त की गई है। हालांकि, घटना के वास्तविक कारण की पुष्टि अभी नहीं हुई है। नेपाल के अधिकारियों द्वारा चीनी अधिकारियों के साथ समन्वय तथा उपग्रह चित्रों एवं अन्य तकनीकी माध्यमों से स्थिति की जांच की जा रही है।

प्रारंभिक पुलिस सूचना के अनुसार टिमुरे बाजार में बाढ़ से बड़ी संख्या में मकान एवं अन्य संरचनाएं प्रभावित हुई हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार कई मकान बाढ़ में बह गए तथा प्रारंभिक जानकारी में केवल कुछ ही मकानों के सुरक्षित बचे होने की बात सामने आई है।

अचानक बढ़े जलप्रवाह के कारण भोटेकोशी एवं त्रिशूली नदी के किनारे बसे क्षेत्रों में गंभीर बाढ़ का खतरा उत्पन्न हुआ। नेपाल के बाढ़ पूवार्नुमान विभाग ने रसुवा से आगे नुवाकोट, धादिंग एवं चितवन के नदी तटीय क्षेत्रों को भी उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में रखा है।

विशेष रूप से त्रिशूली नदी के मुग्लिन तक के तटीय क्षेत्र में उच्च सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। विभाग के अनुसार बाढ़ का पानी मुग्लिन क्षेत्र तक पहुंचने में लगभग 4झ5 घंटे लग सकते है

नेपाल के अधिकारियों द्वारा नदी किनारे रहने वाले लोगों को तत्काल सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। साथ ही त्रिशूली नदी के किनारे स्थित प्रमुख सड़कों एवं राजमार्गों पर अनावश्यक आवागमन से बचने की अपील की गई है

यह घटना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रारंभिक सूचना के अनुसार बाढ़ का मुख्य कारण स्थानीय वर्षा न होकर सीमा पार से अचानक आया जलप्रवाह है। इससे निम्नलिखित जोखिम सामने आते है

रसुवा जिले के टिमुरे में हुई इस घटना को देखते हुए भोटेकोशीझ त्रिशूली नदी तंत्र के निचले क्षेत्रों में रहने वाली आबादी के लिए सतत निगरानी, त्वरित चेतावनी, नदी तटीय आबादी की पूर्व-निकासी तथा सीमा पार आपदा सूचना तंत्र को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है।

मलिहाबाद में चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकला जुलूसे महोम्मदी

12 रबीउल अव्वल के जुलूस में हजाओ अकीदतमंदों नें की शिरकत।

जुलूसे मोहम्मदी के लिए जगह जगह लगाई गई सबीले।

जुलूसे महोम्मदी में हिन्दू मुस्लिम एकता की दिखी मिसाल।

एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह भाटी के नेतृत्व में अतिरिक्त निरीक्षक सुरेंद्र मिश्रा, कस्बा प्रभारी प्रकाश सिंह,उपनिरीक्षक राहुल तिवारी,उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह,उपनिरीक्षक अश्विनी सिंह, उपनिरीक्षक अजय प्रताप सिंह, महिला उपनिरीक्षक मनीषा पाठक द्वारा जुलूसे महोम्मदी में रही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था।

शांतिपूर्ण संपन्न हो रहा जुलूसे महोम्मदी।

बैंक सखियों ने मानदेय वृद्धि एवं स्थाई किए जाने के संबंध में जिला अधिकारी एवं राज्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

(जीएनएस)।

पीलीभीत , पूरे प्रदेश में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गांव-गांव में बैंक सखियों को नियुक्त किया गया है जो प्रत्येक गांव में धन निकासी से लेकर बैंक अकाउंट खोलने सहित तमाम सुविधाएं प्रदान कर रही हैं जो ग्रामीण अंचल में रहने वाले लोगों के लिए यह सुविधा वरदान साबित हो रही है जनपद की तमाम बैंक सखियों ने अपना मानदेय ₹20000 तक किए जाने के संबंध में एवं स्थाई नियुक्ति पत्र प्राप्त करने केतथा समय समय पर मानदेय वृद्धि के संबंध में जिलाधिकारी पीलीभीत ज्ञानेंद्र सिंह एवं गन्ना राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार को संबंधित ज्ञापन सौंपा तथा उनसे निवेदन किया कि हमारा ज्ञापन संबंधित अधिकारियों तक एवं हमारी मांग सदन तक पहुंचाने का कष्ट करें जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं संजय सिंह गंगवार के द्वारा सभी को आश्वासन दिया गया उन्होंने यह भी बताया कि हम लोग हर समय गांव में लोगों को समुचित सेवाएं प्रदान करते हैं अतः हम लोगों को मानदेय वृद्धि तथा स्थाई नियुक्ति पत्र मिलना चाहिए इस मौके पर पुष्पा देवी निर्मला देवी ललिता देवी पूजा आरती देवी निर्मला देवी सुनीता देवी सहित तमाम बैंक सखियां मौजूद रही

आका की आमद मरहबा, सरकार की आमद मरहबा के नारों के बीच 12 रबी उल अव्वल का झण्डा जुलूस अकीदत सादगी से निकाला गया

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। आका की आमद मरहबा, सरकार की आमद मरहबा के नारों के बीच 12 रबी उल अव्वल का झण्डा जुलूस क्षेत्र में अकीदत एव सादगी से निकाला गया।और नबी की शान में जश्ने ईदमिलादुन्नबी आयोजित की गयीं।

पैगम्बर- ए-इस्लाम हजरत मुहम्मद (सल्ल0) के यौमे पैदाइस की याद में कस्बा मसौली, बड़ागांव, बांसा,शहाबपुर, रामपुर, सहित तमाम जगहों पर जश्ने ईदमिलादुन्नबी धूमधाम से मनायी गयी। गांव-गलियों में रोशनी की गयीं। तथा लोग रात भर जागकर तिलावते कुरान शरीफ की। हजरत मुहम्मद साहब के जन्मदिवस को लेकर घर-घर मिलाद पढ़ी गयी तथा तबरुकात का वितरण किया गया।

कस्बा बांसा शरीफ में दरगाह हजरत सैय्यद अब्दुर्रज्जाक शाह (रह0) से झण्डा जुलूस निकाला गया। जुलूस में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक नबी का झण्डा लेकर नारे तकबीर अल्लाह हु अकबर ,सरकार की आमद मरहबा के नारे लगाते हुए चल रहे थे।जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से भृमण करते हुए ईदगाह तक गया। इसी क्रम में कस्बा बड़ागांव मे बड़ी चौक से झंडा जुलुस निकाला गया जिसका समापन हजरत काजी शहाबुद्दीन औलिया के आस्ताने पर हुआ। कस्बा शहाबपुर में गुरुवार की देर रात्रि चौकों एव पिंडालो में ताजिये रखे गये तथा प्रातः जुलूस निकाला गया।और देर शाम नम आंखों के साथ ताजियों को करबला में दफन किया गया। जुलूस के दौरान शांति बनाये रखने के प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी, अतिरिक्त निरीक्षक सनत कुमार मिश्रा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक शमशाद अली, राशिद खान, आदित्य कुमार गौतम, विपिन सिंह, अजय यादव, राम कुमार यादव, भारत लाल, राम जी पाल, पुलिस के जवानो के साथ मुस्तैद रहे।

पीडब्ल्यूडी की कारगुजारी, खड़ंजे के ऊपर डाली जा रही मिट्टी

पी डब्ल्यू डी विभाग द्वारा सड़क निर्माण में ग्रामीणों ने लगाया अनियमितताओं का आरोप

खुलेआम पत्थर के ऊपर डाली जा रही मिट्टी

(जीएनएस)।

पूरनपुर/पीलीभीत, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से त्रेतानाथ मंदिर होते हुए कुरैया संपर्क मार्ग पर कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी किए जाने और जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के आरोप लगाए हैं। मौके पर सड़क पर पहले से पड़े खड़ंजे के ऊपर मिट्टी डाले जाने का मामला सामने आया, जिसे रोलर से बराबर करने के बाद उसके ऊपर नाममात्र की मौरंग की परत चढ़ाई जा रही है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जिस स्थान पर सड़क का निर्माण कराया जा रहा है, वहां पहले से खड़ंजा पड़ा हुआ था। आरोप है कि ठेकेदार द्वारा खड़ंजे को हटाने अथवा निर्धारित प्रक्रिया के तहत बेस तैयार करने के बजाय उसके ऊपर ही खुलेआम मिट्टी डाली जा रही है। मिट्टी डालने के बाद उसे रोलर की मदद से दबाकर समतल किया गया। इसके बाद मिट्टी को ढकने के लिए ऊपर से मौरंग की पतली परत डाले जाने की बात भी सामने आई है।

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी

मौके पर मौजूद ग्रामीणों से बातचीत में उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी शिकायतों और आपत्तियों को ठेकेदार तथा संबंधित अधिकारी गंभीरता से नहीं लेते हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र में इससे पहले भी कई सड़कों का निर्माण कराया गया, लेकिन निर्माण के कुछ ही समय बाद सड़कें उखड़ने लगीं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण में शुरूआती स्तर पर ही गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का ध्यान नहीं रखा गया तो आने वाले समय में सड़क जल्द खराब हो सकती है। इससे सरकारी धन के खर्च होने के बावजूद लोगों को बेहतर सड़क की सुविधा नहीं मिल पाएगी।

जेई ने कहा- जानकारी नहीं

मामले को लेकर पीडब्ल्यूडी के जेई अरविंद कुमार से बातचीत की गई। उन्होंने सड़क निर्माण में मिट्टी डाले जाने की जानकारी से अनभिज्ञता जताई। हालांकि, बाद में उन्होंने बताया कि एक स्थान पर ट्रक फंस गया था, जिसके कारण मिट्टी को बराबर कराया गया था।

जेई के इस बयान के बावजूद मौके पर दिखाई दे रही स्थिति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मिट्टी केवल ट्रक फंसने के कारण डाली गई थी तो उसे सड़क की निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा बनाकर रोलर से समतल करने और उसके ऊपर मौरंग डालने की आवश्यकता क्यों पड़ी, इसकी जांच होनी चाहिए।

जांच की मांग

मामले में अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि सड़क निर्माण कार्य में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन किया जा रहा है या नहीं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के उच्चाधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर निर्माण सामग्री, सड़क की मोटाई, बेस की गुणवत्ता और निर्माण प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है।

प्रदेश सरकार जहां बेहतर सड़क और विकास कार्यों के जरिए व्यवस्था को मजबूत करने का दावा करती है, वहीं स्थानीय स्तर पर इस तरह के आरोप सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करते हैं। यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदार ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग भी ग्रामीणों ने की है।

अब देखना यह होगा कि विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और सड़क का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार कराया जाता है या फिर यह सड़क भी निर्माण पूरा होने के कुछ समय बाद बदहाल होकर सरकारी धन की बबार्दी का उदाहरण बनती है।

नोटः सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार या अनियमितता के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। संबंधित ठेकेदार का पक्ष उपलब्ध होने पर खबर में शामिल किया जाना उचित होगा।

मिठास के त्योहार पर मिलावट का खतरा! बीसलपुर में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में

(जीएनएस)।

बीसलपुर/पीलीभीत। रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही बीसलपुर क्षेत्र में मिठाइयों की मांग बढ़ने लगी है। ऐसे में मिठाइयों की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की सक्रियता जरूरी हो गई है। यदि कहीं बासी या पुरानी मिठाइयों का भंडारण किया जा रहा है अथवा त्योहार के लिए पहले से बड़ी मात्रा में मिठाइयां तैयार कर रखी गई हैं, तो विभाग द्वारा समय रहते इसकी जांच किया जाना आवश्यक है।

त्योहार के मद्देनजर बाहर से आने वाली रेडीमेड मिठाइयों की गुणवत्ता पर भी विशेष निगरानी की जरूरत है। मिठाइयों के निर्माण, पैकिंग, रख-रखाव, निर्माण तिथि और उपयोग की अंतिम तिथि की जांच की जाए, ताकि उपभोक्ताओं तक खराब या मानकों के विपरीत खाद्य पदार्थ न पहुंच सकें।

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ स्थानों पर त्योहार से पहले ही बड़ी मात्रा में मिठाइयों का स्टॉक तैयार किया जा सकता है। हालांकि इस संबंध में फिलहाल किसी शिकायत की पुष्टि सामने नहीं आई है, लेकिन यदि जांच के दौरान बासी, खराब या मानकों के विपरीत मिठाइयों का भंडारण पाया जाता है तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

रक्षाबंधन जैसे प्रमुख त्योहार पर मिठाइयों की बिक्री कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में खाद्य सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। मिठाई की दुकानों के साथ-साथ संभावित भंडारण स्थलों और बाहर से आने वाली रेडीमेड मिठाइयों की जांच कर नमूने लिए जाने से मिलावट और खराब खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाई जा सकती है।

त्योहार से पहले विभाग करे सघन जांच

लोगों का कहना है कि किसी शिकायत या घटना का इंतजार करने के बजाय खाद्य सुरक्षा विभाग को त्योहार से पहले ही बीसलपुर क्षेत्र में अभियान चलाकर मिठाई की दुकानों और संभावित स्टॉक की जांच करनी चाहिए। यदि जांच में कोई अनियमितता सामने आती है तो तत्काल कार्रवाई की जाए, जिससे त्योहार पर लोगों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ न हो।